an>

Title: Problems being faced by the people of Arunachal Pradesh due to floods and breakdown of road communication.

श्री किरेन रिजीजू (अरुणाचल पश्चिम) : अध्यक्ष जी, मैं यह मानता हूं कि अब तक सरकार, वित्त मंत्री जी और सभी लोग हमारे राज्य के बारे में जान चुके हैं। मैडम सोनिया जी भी बैठी हुई हैं। हमारे यहां वर्ष 2005 के बाद जो फ्लड और नेचुरल डिजास्टर हुए हैं, तो राज्य सरकार ने बहुत बड़े पैकेज की केन्द्र सरकार से मांग की थी। अब वर्ष 2007 भी खत्म होने जा रहा है लेकिन वह मांग पूरी क्यों नहीं हो रही है, मुझे समझ नहीं आ रहा है। मैं जब अपने क्षेत्र का दौरा करता हूं तो देखता हूं कि वहां ब्रिजेज नहीं हैं पुल नहीं हैं, रास्ते नहीं हैं, इसलिए अपने क्षेत्र में बहुत सी जगहों पर मैं भी नहीं पहुंच पाता हूं। केन्द्रीय मंत्री तो वहां हेलीकॉप्टर से जाते हैं, इसलिए पुल या रास्ते से जाने की जरूरत नहीं होती है और आपने यह सब देखा नहीं है। लेकिन रिपोर्ट के माध्यम से तो आपने जरूर जाना होगा। अगस्त महीने में केन्द्र सरकार की ओर से स्टेट गवर्नमेंट को बुलाया गया था और एक प्रेजेंटेशन देने के लिए कहा गया। इंटर-मिनिस्ट्रियल कमेटी में वहां की राज्य सरकार ने प्रेजेंटेशन दिया और उन्होंने माना है कि वहां जितना डैमेज हुआ है, उसके रिहैबिलिटेशन और कंस्ट्रक्शन के लिए पैसा देना चाहिए और यह इंटर-मिनिस्ट्रियल कमेटी ने माना है। साथ ही प्लानिंग कमीशन ने भी इस चीज को माना है कि यह एक गंभीर मामला है और तत्काल रैस्टोरेशन के लिए फंड देना चाहिए। नेशनल डिजास्टर अथॉरिटी ने भी माना है कि यह पैसा देना चाहिए। इसलिए जब सभी अथॉरिटी मान रही हैं तो किस चीज की वजह से यह रुका हुआ है? आपके जो गृह मंत्री हैं शायद वे हमारे प्रदेश से नाराज हैं। मुझे यह खबर मिली है कि मैडम सोनिया गांधी जी ने भी पैसा देने के लिए, इन प्रिंसीपल एग्री किया है, प्रधान मंत्री जी ने भी देना है, ऐसा माना है, फिर माननीय गृह मंत्री जी पैसा क्यों नहीं दे रहे हैं और फाइल क्यों रोक रखी है, जिसकी वजह से हमारे यहां के लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। संक्षेप में, मैं यह डिमांड करना चाहूंगा कि यहां सारे मंत्री बैठे हुए हैं, माननीया सोनिया जी बैठी हुई हैं, तत्काल होम-मिनिस्टर साहब को यह कहें कि हमारा जो ह्यूज डिमांड गवर्नमेंट के पास पेंडिंग है उसे जल्दी से जल्दी रिलीज किया जाए।

*Not recorded

MR. SPEAKER: Next Shri Devendra Prasad Yadav. Everybody tries to bulldoze the Chair. This is very unfortunate.